



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 10] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 42,00 (फाल्गुन 14, 1921)
No. 10] NEW DELHI SATURDAY, MARCH 4, 2000 (PHALGUNA 14, 1921)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिसमें कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate page is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

(सांबिधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं)

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

दैकिंय परिचालन और विकास विभाग

केन्द्र-1 विष्व व्यापार केन्द्र, कफ परेड, कोलाहा

मुंबई-400005, दिनांक 26 फरवरी 2000

सं० पी० एस० वी० ए००००—एच० 886/16-1-131/99-2000—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 42 की उपधारा (6) के खण्ड (ख) के अनुसरण में भारतीय रिजर्व बैंक एवं द्वारा निम्नलिखित दैक को उक्त अधिनियम की डिनोय अनुसूची में निकाल देने का निर्देश देता है।

“दि टाइम्स बैंक लिमिटेड”

जी०पी० मुनियापन
कार्यपालक निदेशक

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान डिस्ट्रिलाइड ऑफिस

चैर्चर्ट-600 034, दिनांक 7 दिसम्बर, 1999

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

मं० 3 प्रम० मी० ए० (4)/3/1999-2000—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में प्रतिद्वारा यह नुचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम, 1949 की धारा 20 उपधारा 1(ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने मदस्यता रजिस्टर में में निम्नलिखित सदस्य का नाम उपनी अपनी प्रार्थना पर उसके आगे वी गई तिथि में हाला दिया है—

क्र० सदस्यता सं० संख्या	नाम एवं पता	दिनांक	1	2	3	4
1. 023893	श्री सुनामनियन आर० एस० ३१-३-१९९९ VJ/1732 थेकमडोम स्ट्रीट, पैलेस रोड़, कोची -६८२००२.		5. 016386	श्री दत्ता सत्य प्रिय, 7, सदर स्ट्रीट, कलकत्ता-७०००१६.	19-५-१९९९	
	अशोक हल्दया, सचिव		6. 011603	श्री बरान श्रीमता मो०, २१-६-१९९९ प्राइस वाटरहाउस, बी३/१ गिलेण्डर हाउस, एन एस० रोड़, कलकत्ता-७०००१.		

कलकत्ता ७०००७१, दिनांक ८ फरवरी, २०००

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० ३-ई० सं० ए० ४/१/१९९९-२००० -चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, १९८८ के विनियम १८ के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम, १९४९ के धारा २० उपधारा (१) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है।

क्र० सदस्यता सं० संख्या	नाम एवं पता	दिनांक	1	2	3	4
1. 007201	श्री दत्ता अमर गोपाल नाग एड एसोसिएट्स, २ चौरंगी एप्रीच, कलकत्ता-७०००७२.	४-७-१९९९	10. 006708	श्री घोष बंकिम बिहारी, 'मातृ स्मृति', सी० एफ०-३७५, सालट लेक, कलकत्ता-७०००६४.	२६-३-१९९९	
2. 002059	श्री विश्वास अनिल कुमार, ५-९-१९९९ मुखर्जी विश्वास एड पाठक, ५ एड ६ फर्सी लेन, कलकत्ता-७००००१.		11. 001759	श्री राय चौधरी विमलेश, ३ नन्दन रोड़, कलकत्ता-७०००२५.	२९-७-१९९९	
3. 052240	श्री प्रधान गोविन्द चन्दा, १३-३-१९९९ एच० नायर एड कम्पनी, तेलेंगा बाजार, कटक-७५३ ००९.		12. 007919	श्री राय शिवा प्रसाद, फ्लैट ३ बी, तीसरी मंजिल, ५०९, जोधपुर पार्क, कलकत्ता-७०००६८.	३०-३-१९९९	
4. 003453	श्री झा देव राम ९ एस०डब्ल्यू० ब्लाक, ६४ लेक रोड़, कलकत्ता-७०००२९	१९-५-१९९८	13. 004302	श्री कुण्डु निमाई चन्द, ६ बी सेवक वैद्य स्ट्रीट, प्रथम तला, कलकत्ता-७०००२९	३०-१२-१९९८	

अशोक हल्दया, सचिव

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन

(केन्द्रीय कार्यालय)

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 9 फरवरी 2000

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्सम/89/भाग-4/
5922—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने
(जैसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी
भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952
का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (ख) के अन्तर्गत छूट के
वस्तार के लिए आवेदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात्
कृत अधिनियम कहा गया है।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि
उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रोसियम की

बदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा
नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि
ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम,
1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है।
जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है।

अतः उक्त अधिनियम की धारा के उपधारा 2(ख) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत
सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि अधिकृत की अधि-
सूचना सं. तथा तिथि जो प्रदत्त स्थापना के नाम के सामने दर्शायी
गयी है के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित शर्तों
के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपबंधों
के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आरे 3 वर्ष की अवधि के
लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके
नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची-1

क्र०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स रकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की छूट विस्तार की तिथि	तिथि	के०भ०नि०आ०	की फाईल सं०
1	2	3	4	5	6	7	
1.	मै० राजपालायम मिल्स लि०, टीएन/पी० ए० सी० रामास्वामी 179 राजा सलाई, राजपालायम- 626117।		2/1959/डीएलआई/एक्सम/89/पीटीदि० 10-1-99	28-2-99	1-3-99 सं० 28-2-2002	2/2052/89/ डीएलआई	
2.	मै० दि के०सी० पी०लि०, टीएन/1156 12 डा० पी० वी० चरेत ओसन्ट गमीर चेन्नई- 600008 तथा इसका क्षेत्रीय कार्यालय दिल्ली तथा मुम्बई।		10-1-99	31-3-99	1-4-99 से 31-3-2002	2/1758/88	
3.	मै० एल० जी० बालाकृष्णन डीएन/1165 एण्ड ब्रादर्स लि०, पी०बी० नं० 3706, इण्डिया हाऊस, विच्ची मार्ग, कोयम्बटूर-18।		31-7-99	31-7-99	1-8-99 से 31-7-2002	2/1196/85	
4.	मै० फाल इण्डस्ट्रीज लि०, टी०एन०/पी० बी० नं० 5063, 4805 पेर्लगुडी, चेन्नई-600096।		19-5-99	31-12-97	1-1-98 से 31-12-2000	14/163/96	
5.	मै० सोलिगगुर टैक्सटाइल्स टीएन/लि०, पी० बी० नं० आरी- 6294 कोनम मार्ग, सोलिगगुर-631102।		28-2-96	31-12-96	1-1-97 से 31-12-99	14/90/95	

1	2	3	4	5	6	7
6.	मैं० सारांडे सिलिकेटिड एण्ड कैमिकल्स इण्डस्ट्रीज 6/412, कुनियामुथुर कोम्प्लटूर-641008।	टीएन/ 6964	19-5-99	30-6-99 30-6-2002	1-7-99 से 30-6-2002	2/4739/92
7.	मैं० कृष्णा इन्जीनियरिंग क० प्रा० लि०, डी-१, भेल एन्सोलेरी, इण्डस्ट्रीज स्टेट त्रिची-१४।	टीएन/ 8268	30-9-97	16-3-96 16-3-99	17-3-96 से 16-3-99	2/2004/84
8.	मैं० महालिंगम रोडवेज अरूपकुट्टई-626101।	टीएन/ 9578	—	28-2-99 28-2-2002	1-3-99 से	2/2992/91
9.	मैं० एल०टी० एम० लि०, माउन्ट पूर्णामाली मार्ग, पी० बी० न० 977, मानापाक्षम, चेन्नई।	टीएन/ 9710	21-6-99	31-3-99 31-3-2002	1-4-99 से 31-3-2002	14/8/94
10.	मैं० माइलबहानन ट्रांसपोर्ट अरूपकुट्टई-626101।	टीएन/ 9892	24-12-97	31-3-99 31-3-2002	1-4-99 से	2/2661/90
11.	मैं० डब्ल्यू० सी० आई० (मद्रास) प्रा० लि०, ए, विलिंग एन एस सी बोस मार्ग, चेन्नई-600001।	टीएन/ 17509	13-1-99	31-3-99 31-3-2002	1-4-99 से	2/5475/94
12.	मैं० इण्डस्ट्रियल एण्ड टैक्नीकल कॉम्प्लेक्स, संगठन आफ तमिलनाडु लि०, ५०-ए, ग्रेम्स मार्ग, चेन्नई-600006।	टीएन/ 17795	10-1-99	31-3-99 31-3-2002	1-4-99 से	2/2633/90
13.	मैं० पलण एण्ड कॉर्पोरेशन वकर्स, १/११, मुगलीवाक्कम १०३४३ मार्ग, पोर्टलौर, चेन्नई- 600016।	टीएन/ वकर्स, १/११, मुगलीवाक्कम १०३४३	10-1-99	31-3-99 31-3-2002	1-4-99 से 31-3-2002	2/2315/90 टीएलआई
14.	मैं० इण्डो फैब डी-३१. ३२ डी० पी० स्टेट, शावुकुडी त्रिची-१५।	टीएन/ 10471	28-7-97	31-8-96 31-8-99	1-9-96 से 31-8-99	14/266/97
15.	मैं० पोस्टलिया इन्स्टरफेक्स प्रा० लि०, ६१, मोन्थेत मार्ग, इगमोर चेन्नई- 600008 तथा शाखाएँ।	टीएन/ 11252	30-9-97	31-10-98 31-10-2001	1-11-98 से 31-10-2001	2/4014/92
16.	मैं० पिलार इण्डक्शन (इण्डिया) प्रा० लि०, ब्लाक ए-१३, दूसरी एवेन्यू अन्ना नगर, चेन्नई- 600102 तथा इसकी फैक्ट्री तथा कार्यालय।	टीएन/ 19365	3-5-93	31-1-95 31-1-98	1-2-95 से 31-1-98	2/3869/91

1	2	3	4	5	6	7	
17.	मैं नो कोगतिजेन्ट टैक्नालाजी	टीएन/ सोलुशन इंडिया लि०, नं० 27, वाहिट्स मार्ग, चेन्नई-600014 तथा शाखाएँ ।	टीएन/ 31309	11-3-96	31-10-97 31-10-2000	1-11-97 से 31-10-2000	14/126/96
18.	मैं नो साउद रन इन्जीनियरिंग	टीएन/ क० 12वी, सी.बंगली स्ट्रीट पट्टाई विनेलवली- 627004 तमिलनाडु।	टीएन/ 11271	6-4-93	30-11-94 3-12-97 1-12-97 से 31-11-2000	1-12-94 से 30-11-97 3-9-97 से 31-11-2000	2/2389/90
19.	मैं नो दि तमिलनाडु	टीएन/ टैक्सटाइल का रपोरेशन लि०, 7510-ग, मोहना भवन 15, हजुरमार्ग, कोयम्बटूर- 641018 ।	टीएन/	--	2-9-94 2-9-97 3-9-97 से 2-9-2000	3-9-94 से 2-9-97 3-9-97 से 2-9-2000	2/1204/85
20.	मैं नो कन्गुर सिपिनर्स प्रा०	टीएन/ लि०, पेथापमट्टी- 642205, उदमलपेट, तमिलनाडु।	टीएन/ 8400	26-1-99	31-5-99 31-5-2002	1-6-99 से 31-5-2002	2/1835/88

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और लेता रखेगा तथा निरीक्षण को लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें ।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास को समर्पित के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के बढ़ के अधीन समय-समय पर निर्देश करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जड़ कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु संख्या की भाषा में उसकी मूल बातों का अनुवाद स्थापना के सम्बन्ध पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छात्र प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोज-

जक सामूहिक बीमा के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम संदर्भ करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपवंश लाभों से अधिक अनुकूल हो जाए उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि उन राशि से कम है जो कर्मचारी को उन दबा गें संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के द्वितीय वारिस/नाम निर्दोषताओं को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बाल राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्ध में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के लिए जहाँ किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिधूक्त अवमर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले अपना देने की है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए तो यह की जा सकती है ।

10. बिहारी कार्रवाचय उक्त निवास द्वारसेक के भीतर और जीवन बीमा निगम नियत कर प्रीमियम का संदाय करने में बहुपल रहता है और पांचसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रहद करी जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये व्यापक क्रम की दशा में उक्त मृत सदस्यों के नाम निदर्शितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने वाले बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निदर्शितों/विधिक वारिसों के बीमाकृत राशि का संदाय तत्प्रता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर समिनिश्चित करेगा।

के. एल. तनेजा
अधीक्षीय भविष्य निर्धारण आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई/एकजम/89/भाग-2/5946
—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे

इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निर्धारण और प्रकारण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम को अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंचालय भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्तों की अधिसूचना सं। तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-१ के निर्धारित शर्तों के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निर्धारण ने उक्त स्कीम के सभी उपवंशों के अंचल से प्रत्येक उक्त स्थापना को ग्राम 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-१ में उनके नाम के सामने दर्शाया है।

अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	सरकारी अधिसूचना की सं० छूट समाप्ति व दिनांक जिसके द्वारा छूट की तिथि प्रदान/विस्तार की गई	छूट विस्तार की तिथि	के०भ० नि० आ० की फाइल सं०	
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० रघुवीर सिम्प्टेक लि०, जी.जे./2638 रखियल रोड अहमदाबाद— 370023।	2/1959/डी० एल० आई०/ १३१-१-१९९९ एकजम/८९/पी.टी/दिनांक २२-१-१९९९	१-२-१९९९ से ३१-१-२००२	२/५१४०/९३/ डी एल आई०	१-२-१९९९ से ३१-१-२००२	२/५१४०/९३/ डी एल आई०
2.	मै० दिं० सूरत डिस्ट्रोक को० जी.जे./४६७२ प० बैंक, लि०, पंजीकृत कार्यालय ज० पी० मार्ग, आलवेगेट सूरत (तथा शाखायें) गुजरात।	२१-१-१९९९	२६-८-१९९८	२७-८-१९९८ से २६-८-२००१	२/२११/७९	
3.	मै० श्री गणेश खांड उद्योग जी.जे./९८७७ सहकारी मण्डी, लि०, प०० वाटालिया त० वालीया जिला भरुच गुज०।	७-१०-१९९८	३०-११-१९९८ से ३०-११-२००१	१-१२-१९९८ से ३०-११-२००१	४/२७/९७	
4.	मै० पार्मस डायमण्ड्स एक्स- पोर्ट प्रा० लि०, पार्मस रोड एट पी ओ० चापरा नवसारी ३९६४४५	१९-११-१९९८	३०-११-१९९८ से ३०-११-२००१	१-१२-१९९८ से ३०-११-२००१	४/३९/९७	

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि अधिकत के एसी विवरणियों भवेणा और एसा लेखा-जोखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी मुद्रिधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक भाषा की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जायगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य लाभों का अनुवाद स्थापना के स्ननापट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई एसा कर्मचारी जो भविष्य निर्धि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहने से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है हाँ नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी वादत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा निगम को संन्दर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ दढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वर्दिध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अन्तर्भूत हैं।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी वात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मन्त्र पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि में कम हो जे कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो तिराजक कर्मचारी के विविध वारिस/गाम नियोजित हो ग्रहिकार के रूप में तोनों राठों के वरावर गर्जा वा संदाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कीम के उपलब्धों में दोहरा भी मंडलेधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जड़ों द्विमी संसोधन से कर्मचारियों के हित पर इन्हिंकाल प्रदान की सम्भाला हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुसंदेन देने के पर्व कर्मचारियों के अन्तर्भूत क्रेप्ट करने पर वायक्तियत्व अवसर देंगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा निगम की उस सामूहिक वीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले

अपना चुकौ है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों नई प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो तो वार्षिक रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जो वीमा निगम नियत कर्त्ता प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी का व्यपरगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में फिर गए व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम नियोजित होने विविध वारिसों को यदि यह छूट तो गई होती जो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, वीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियोजित होने विविध वारिसों के वीमाकृत राशि का संदाय लट्टरता से और प्रत्येक वजा में भारतीय जीवन वीमा निगम में प्राप्त होने के एक माह के भीतर सरिश्चित करेगा।

के. एल. देवजा
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

म. 2/1959/डी. एल. जाइ. /भाग-4/एक्जेम/89/5954
—जहाँ अनुमूली-1 में उल्लिखित नियोजित होने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और इकोर्ग उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवंदन किया है (जिसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हुए कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई को अलग अंशदान या प्रीमियम को अदागी किए बिना जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा निगम की सामूहिक वीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निशेष सहबद्ध वीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है। (जिसे इसमें उम्मीद पश्चात् स्वीकार्य कहा गया है)।

अन्. जहाँ नियतिगम की धारा 17 के उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शिफ्ट-पैट्रोन्स द्वारा प्रयोग करते हुए इसके माथ संलग्न अनुसंधीर्णों उल्लिखित गती के अनुभार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित ऐडली तारीख से प्रयात्री जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त हिमाचल प्रदेश ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त के मंचानन की छाट प्रदान कर दी गई है।

अनुसूची- 1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि�० आ० फा० मं०
1	2	3	4	5
1.	मै० न्यूचैम इण्डस्ट्रीज प्रा० (लि०) पांओंटा साहिक सिरमोर हिमाचल प्रदेश	एच पी/11525	1-1-95 मे 31-12-97 1-1-98 मे 31-12-2000	17/9/99/ डी० एल० आई०
2.	मै० फेराडेस इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, इण्डस्ट्रीयल एरिया कुनहाडीवाला बरोटी वाला, सोलन हिमाचल प्रदेश	एच पी/18174	1-2-98 मे 31-1-2001	17/12/99

अन्तस्थी-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसी दिवरणियां भेजा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सूचिबाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभावी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार उन्हें अधिविषय की धारा 17 की उपधारा (2-क) के संदर्भ के दर्धीय समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण इमारी का संदाय आदि भी है, हाने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृद्धिक वीमा स्कीम के विषय में तीन पाँच ही और उब कही उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहु-संस्कारी भाषा में उसकी मुख्य दालों का अध्यादर स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिकारियों के अन्तर्गत है तो इसकी स्थापना की भविष्य निधि का पहली बीमास्ट है, जिसकी स्थापना ऐसे क्रिएटिव तरीके से होती है ताकि नियोजित सामर्थिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम हस्तांतर दर्ज करें। और उग्रवाली वाले आठवें श्रीमित्रेन महारथी जीवान दीमा लिंगम की गंदक लगायें।

६. यहाँ उक्त स्कीम के अधीन कर्माचारियों को उपलब्ध लाग नहीं जाते हैं तो नियोजक समिति द्वारा इनके लाभेन कर्माचारियों को उपलब्ध लाभें में समाचिक रूप से उपलब्ध किए जाएं जो उनके साथसाथ उपलब्ध कर्माचारियों के लाभों से उपरिक गामिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से उपरिक अनुकल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी वात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो नियंत्रक कर्मचारी के विविध वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दानां राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा ।

४. सामूहिक वीमा स्कीम के उपवंधों में कोई भी संशोधन संबंधित अंतर्राय भविष्य निधि आयका के पूर्व अनुमोदन के दिन नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी मंशोहन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकल प्रभाव पड़ने की संभावना हो दहाँ अंतर्राय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को उपना दीप्तकाण स्पष्ट करने का यथित करन अनुसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीआ निगम की उस सामृद्धिक बोमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले ही अपना चक्री है, उधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो यह रुद्र की जा सकती है।

10 यदि किसी कारणतात् उस नियत तारीख के भीतर जो वीमा नियम नियत करे प्रीमियम तो संदाय करने में असफल रहता है और पारिमी को बाधा होती रिटार्न होता है तो छट्ट खबर की जा सकती है।

11. नियंत्रक इवारा श्रीमियम के संदाय में किए गए व्यवहारों की दशा में उन सह मद्दगारों के लाभ नियंत्रित होते गए व्यवहारों को यदि यह छाट न दी गई हो तो उक्त मुकाबिले के अवर्गत होते, वीमा नाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियंत्रक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में निम्नलिखित दृष्टि कीम के अनुरूप जगत् वाली किसी सदस्य की मत्त्य हैं एवं उसके हक्कदार नाम निवैधितों/निवैधित, वरिष्ठों को वीभाग गणि वा भंदाग तत्परता से और प्रत्येक द्वा ये भागीय तीव्र गोप्य चिन्ह दे दीशावान गणि प्राप्त होने के पाक मात्र के रैतर गतिरिच्छा करेगा।

के. एल. तनेजा
क्षेत्रीय भवित्व सिर्फ आयक्षण

सं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/एकजम/89/5960
—अहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

कुंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदात या प्रीमियम की अदायगी प्रीकरण विवाद जीवन वीमा के रूप में भारतीय जीवन वीमा नियम की सामृहिक वीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि

प्रमें उल्लिखित वीमा के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध वीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शर्कराओं का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्कराओं के अनुभार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक वीमा सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जीवन निधि से उक्त स्थापना को क्षमतीय भविष्य निधि आयुक्त पंजाब ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, ३ वर्ष तक जीविध के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छट प्रदान कर दी गई है।

अनुसूची-1

क्रम सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० न०
1	2	3	4	5
1.	मै० अल्पा एण्टीबायोटिक्स लि०, एस० सी० ओ० पहली मजिल मध्या मार्ग, सैकटर 26, चण्डीगढ़	पी एन/14934	1-3-97 से 29-2-2000	12/126/99/ डी०एल० आई०
2.	मै० पंजाब फेवेक्स लि०, वी० पी० ओ० रेलमाझरा तहसील दालानपुर जिला नवाशहर पंजाब	पी एन/10178	1-10-97 से 30-9-2000	12/108/99
3.	मै० सटनले इंजीनियरिंग प्रा० लि०, 189-ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया चण्डीगढ़	पी एन/9895	1-11-97 से 31-10-2000	12/45/98
4.	मै० गोदरेज जी० एप्लाईन्स लि०, प्लाट ए-40, फेल आठ ए, एस० ए एस० नगर, मोहाली चण्डीगढ़।	पी एन/14830	1-11-97 से 31-10-2000	12/20/98

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की एसी विवरणियां भेंडगा और लखा-जोका रखेगा तथा नियोजक को लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे नियोजन प्रभारी का प्रतोक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त नियोजन की धारा 17 की उपधारा (2-क) के व्यष्टि के अन्तर्गत नियोजन करें।

3. सामृहिक वीमा स्कीम के प्रभासन में जिसके अन्तर्गत लखाबी का रहा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय, लखाबी का अंतरण, नियोजन प्रभारी का संदाय

2-489GI/99

आदि भी है, हाँने वाले सभी व्यक्ति का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामृहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा उल्लिखित वीमा की अनुसूचा की भाषा में उसकी मुख्य वाहों का अनुबाद स्थापना के सूचना-पत्रों पर दर्शाया दर्शायेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उद्दत अधिनियम के अधीन छट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामृहिक वीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरत दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय भविष्य वीमा नियम संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सभा विहित वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामर्थिक रूप से विद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामर्थिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हैं जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामृहिक वीमा स्कीम में किसी बात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश हाती जाव वह उक्त स्कीम के अधीन हाता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निदर्शितों की प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के दारावर राशि का मंदाय करेगा।

४. साम्राज्यिक वीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संविधित क्षेत्रीय भविष्य निर्दि आयक्त के पूर्व अनुमोदन के दिनानहाँ किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रभाव कूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निर्दिध आयक्त अपना अनुमोदन दर्ने के पूर्व कर्मचारियों की अपना छप्पन-कोण स्पष्ट करने का व्यक्तियक्त अनुमति देगा।

९ यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम को उस सामाजिक त्रैया स्ट्रीम के जिसे स्थापना पहले अपना नहीं है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए तो गद्द बी जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जो जीवन वीमा नियम नियत करें प्रीभियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यापगत होने दिया जाए है तो छट्ट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यापक व्यापक की दशा में उन मह सदस्यों के नाम दिए जाते हैं। विधिक वारिसां की यदि यह छाट दी गई हो तो उन स्कीम के अंतर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मत्त्य होने पर उसके हकदार नाम निर्दैशितां/विधिक वारिसों की दीमाकृत राशि का संदाच हत्यकाता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम से वीमाकृत राशि तत्परता से और प्रत्यक्ष दशा में भारतीय जीवन वीमा निगम से दीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भित्ति संनिश्चित करेगा।

के. एस. तनावा
क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त

नई दिल्ली-110066, दिनांक 10 फरवरी 2000

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजम/89/भाग-2/
 5968—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिस इसमें इसके पद चाहूँ उत्तर स्थापना करा गया है) कर्मचारी फैदिल नियिध और प्राकीर्ण उपचार अधिकारीयम्, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छट्ट के विनाशक के लिए आवंदन किया है। जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्तर दिल्लियम् कहा गया है।

चंकि केंद्रीय भविष्य तिर्यक आयकर हस्त बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उलग अंशदान या प्रीमियम की उदासी निकार बिना जीनन दीमा के रूप में भारतीय जीवन दीमा नियम की सामिक्तिक दीपा स्थानीय का लाभ नहीं है जो कि एसे कर्मचारी के लिए कर्मचारी फ़िटेश मज़बूतधा नीता स्कीम । 1976 के उन्नर्णव स्थीकार्य लार्गों से अधिक अनलाल है । जिसे इसमें इसके एचात स्कीम कहा गया है ।

५८: उक्ता अधिकारियम की धारा १७ की स्पष्टागा २(क) द्वारा ऐसे दर्शनयों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंचालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त की अधिकारियता से हथा निश्चिय जो प्रतीक स्थापना के नाम के भास्त्र दर्शाई गयी है, के अन्तरण में तथा संलग्न अनुसूची-२ के विधीयन आई वे रद्द हो द्येंदीश भविष्य निधि आयक्त ने उक्त स्थानीय के सभी उपर्योगों के संचालन से प्रतीक उक्त स्थापना को आरं ३ वर्ष की अवधि के लिए हटा द्यान कर दी है जैसा कि अनुसूची-१ में उनके नाम के साथी दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्र० सं० स्थापना का नाम और कोड नं० पता	सरकारी अधिसूचना की सं० व दिनांक जिसके द्वारा छूट समाप्ति की छूट विस्तार की प्रदान/विस्तार की गई	छूट समाप्ति की छूट विस्तार की तिथि तिथि की फाइल सं०				
1	2	3	4	5	6	7
१. मै० गुजरात स्टेट रोड ट्रांस. जीजे/1122 पोर्ट कारपोरेशन वाहन- धावहार भवन, अहमदाबाद- 380002 सभी ब्रांचों सहित	२/१९५९/डी० एल० आई० एकजम/८९/दि० २०-५-१९९३	१५-८-१९९५ से १५-८-१९९८ १६-८-१९९८ से १५-८-२००१	१६-८-१९९५ २/१५६/७ डी० एल० आई०	१५-८-१९९८	१६-८-१९९८	१५-८-२००१

1	2	3	4	5	6	7
2.	मैं० शारेस को०ओ०सोसायटी जी जे/7249 ए लि०, पुरानी पायलेट डयरी के सामने, कनकारिया अहमदाबाद-380022		18-1-94	13-9-96	14-9-96 से 13-9-99 14-9-99 से 13-9-2002	2/1303/85
3.	मैं० कलर सिनथ इंडस्ट्रीयल जी जे/9826 लि०, सी-1 बी 10, प्लाट नं० 31-32, -34, जी आई डी सी, पड़ेसारा, सूरत			31-10-93	1-11-93 से 31-10-96 1-11-96 से 31-10-99	2/4314/92
4.	मैं० दी वित्तानगर नागरिक सहकारी बैंक लि०अ गुज बाजार मार्किट यार्ड, विश- नगर-384315 (एन० जी०)	जीजे/11959	27-2-97	5-2-98	6-2-98 से 5-2-2001	2/1241/85
5.	मैं० मैन मेड टैक्सटाइल्स रिसर्च एसोसिएशन मार्किट टेलीफोन एक्सचेंज के पास रिंग रोड, सूरत-395002	जीजे/13545	7-10-98	30-4-98	1-5-98 से 30-4-2000	4/14/97
6.	मैं० तापती इण्डस्ट्रीयल इंजी नियरस मनटुस कम्पाउण्ड, ए० को० रोड, सूरत- 395008	जीजे/16714	18-1-94	29-2-96	1-3-96 से 28-2-99 1-3-99 से 28-2-2002	2/2761/90
7.	मैं० इण्डीकाटो कस्ट, 904, जीजे/17839 जी० आई० डी० सी० इस्टेट, गोस-4, विट्टल उद्योग नगर, गुजरात- 398121		-वही-	31-1-94	1-2-94 से 31-1-97 1-2-97 से 31-1-98	2/4442/92
8.	मैं० श्री स्वामीहरि गिरि वेपर मिल्स लि०, प्लाट नं० 621/1 जी० आई० डी० सी० इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, पनोली-394416	जीजे/23801	7-10-98	31-1-97	1-2-97 से 31-1-2000	4/47/97

अन्तसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियाँ भेजना और लंबा रखना तथा नियोजन के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करना जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे नियोजन प्रभारी का ग्रन्थक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केवल सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपाया (2-क) के खण्ड के आधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्भृत लेखांगों का रखा जाना, विवरणीयों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखांगों का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी के दावाय आदि भी है, हानि वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों को एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुस्था का भाषा में उसकी मूल्य वालों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि दा उक्त अधीनियम के इधान छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहल हा सदस्य है, उसका स्थापना मा नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुरन्त दर्ज करना और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम सदत करगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाय जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों मा सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुरूप हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बाल के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मूल्य पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों का प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के द्वारा राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रांतीकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दीष्टकोण स्पष्ट करने का योक्तव्यकृत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो, जर्म ही रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा नियम के प्रीमियम का संदाय करने में

असफल रहता है और पालिसी की व्यवस्था होने विवा जाहा हा तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यापक स्थापना की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को र्याद यह छूट दो गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा लाभों के संदाय का उत्तराधिकृत नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय स्थिरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. ए.ल. वरेणा
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

रु. 2/1959/डी.एल./आई./एक्जम/89/भाग-2/5980
—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकोण उपबन्ध अधीनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसके पश्चात् उक्त अधीनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अवश्यक या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एम्बें कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निकाप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः, उक्त अधीनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा इस अविनयों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिकृता सं. तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है, के अनुसार में तथा संलग्न अनुसूची-2 के निर्धारित घटाँ के रहते हुए केन्द्रीय भविष्य निधि ने उक्त स्कीम के सभी उपवंशों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को आगे 3 वर्षों की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया है—

अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	सरकारी अधिकृतना की सं.	छूट समाप्ति विद्याका तिथि	छूट विस्तार की तिथि	के० भ० नि० आ०
1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० सेल कूड़िस एण्ड कर्टी-लाईज़र्स इण्डस्ट्रीज, 15, पा० बा० 6219, शिवाजी मार्ग, नई दिल्ली-16 (2 बी०)	डी.एल./103	2/1959/डी.एल./आई./एक्जम/89/दिनांक 17-6-99	29-4-98	30-4-98 मे	2/911/90 डी.एल.आई 29-4-2001

अनुसूची-२

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एसो विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा-जाहा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूचियाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्विवृत करें।
2. नियोजक एसो निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक बास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के छठ के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।
3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिनके बन्तर्भूत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियाँ का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का बन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यापों का बहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।
4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा बन्नामीद्वारा सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंस्था की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।
5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो भविष्य निधि वा उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत बावधक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम के संदर्भ के प्रदर्शन करेगा।
6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध नाम बड़ाये जाए है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों का उपलब्ध नामों में सामूहिक रूप से बद्दित किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें किं कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध नामों से अधिक बनकूँज हैं और उक्त स्कीम के अधीन बनकूँय हैं।
7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राखि में कम है जो कर्मचारी को उस दशा में गंदरेश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता है तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम नियोजितों को प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बन्तर के बराबर राशि का संदाय करेगा।
8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधी में कोई भी लंबाईत संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकर के पूर्व जन्मोद्देश के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के द्वितीय प्राप्ति को अनुसूचित करने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकर डप्टन अनुसौदन देने से पूर्व कर्मचारियों की अपना दीक्षिण्य स्पष्ट बन्ने का प्रक्रियकृत बदल देगा।
9. यदि किसी कारणवश रथापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना पूर्व अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए तो रद्द दी जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर बीमा निगम नियत करने प्रीमियम का संदाय करने में ब्रसफल रहता है और पालिसी को व्यपरत होने किया जाता है तो छूट रख्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यांतरकम की दशा में उन भूत सदस्यों के नाम नियोजितों वा विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा नामों के मंदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होता।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम नियोजितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मात्र के भीतर सूनिश्चित करेगा।

के. एल. तन्त्रजा
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आडॉ./एक्जम/89/भाग-4/
5985—जहां अनुसूची-१ में उल्लिखित नियोजितों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकार्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशादान या प्रीमियम की शिकायती किए विता जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जैसे ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजित सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्थीकार्य लाभों में विधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

इतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदस्त शीक्षियों का प्रयोग करते हुए तथा अम मंत्रालय, भारत सरकार/केन्द्रीय सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिकारी द्वारा देने से पूर्व कर्मचारियों की अपना दीक्षिण्य स्पष्ट बन्ने का प्रक्रियकृत बदल देगा।

किं अंलग अनुसूची-१ में उक्ते नाम के माध्यमें वर्णिया है।

अनुसूची - 1

क्रम सं. ०	स्थापना का नाम और कोड नं. ०	सरकारी अधिवृत्तना की सं०	छूट समाप्ति	छूट विस्तार के ० भ० नि० आ०
पता	व दिनांक प्रिसके द्वारा छूट की तिथि	प्रदान/विस्तार की गई	की तिथि	की फाइल सं०
1	2	3	4	5
1.	मै० सोना फैशन प्रा० लि० डी एल/9555 एफ -63 ओखला इन्डस्ट्रीयल एरिया फेस -1, नई दिल्ली 20	29-1-93	31-12-94	1-1-95 से 2/4397/डी एल 31-12-97 आई 1-1-98 से 31-12-2000
2.	मै० हिन्दुस्तान फेरब लि०, डी एल/75 अंगपुरा, नई दिल्ली- 110014	2-7-79	23-9-99	24-9-99 2/1072/80 से 23-9-2002
3.	मै० सोनर इन्टरनेशनल, 17, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली-8	डी एल/11124	21-6-99	31-5-98 3/55/98 से 31-5-2001
4.	मै० कट्टीनेन्टल एयर ट्रेभल्स डी एल/9772 1139, चांदनी चौक, दिल्ली-6	3-3-99	28-2-98	1-3-98 3/62/98 से 28-2-2001
5.	मै० सलोरा इन्टरनेशनल लि०, डी-13/4, ओखला इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस- 11, नई दिल्ली-110020	डी एल/7920	28-4-97	31-7-95 2/1562/98 से डी एल आई 31-7-98 1-8-98 से 31-7-2001

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निरीक्षण को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और ऐसा लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी रांगवधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निरीक्षण आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रस्तक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 को उपवर्ग 2 (ह) के दण्ड के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियाँ का प्रस्तुत किया जाता, वीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी द्वारा संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्यक्ति का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक ईहि और ज्व धारी उसमें रांगवधन किया जाय, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहु-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य वातां ता उद्वाह स्थापना के सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निरीक्षण या उक्त सम्बन्धित नियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निरीक्षण को ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो उसके सामूहिक वीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम लूक्त दर्ज करेगा और उसकी वाक्त आवश्यक प्रीमियम रांगवर्द दीज दीमा नियम को संबंध करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ दिया जाते हैं तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी वात के हाते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश दी जाके हैं जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश दी जावे वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी नियंत्रित वारिसों/नाम निदानितों को प्रतिकर के रूप में दीनी गणितीय के अन्तर के ब्रावर राशि का संवाद करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में बोर्ड भी मंजोरेन्ट संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त के पूर्व अनुमतिवान के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त अपना अनुमतिवान देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना फैसलेकरण स्थब्द करने का योगित्युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा निगम नियत करें प्रीमियम का मंदाय करने में असफल रहता है और पालिसी के व्यापार छाने दिया जाता है तो छट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के मंदाय में किए गए अतिक्रम की दशा में उन भत्त सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि इह छट दो गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होने वीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के मान्दन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके अलाउ नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकर्त राशि का मंदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से

बीमाकर्त राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर संनिश्चित करेगा।

के. एस. दत्तेजा
क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त

सं 2/1959/डी एल आई/एक्जेम/89/भाग-4/5994
—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निर्धि और एक्सीर्स लाइन नियम, 1952 (1952 ना 19) की धारा 17 की उम्मीद 2 (c) के अन्तर्गत छट के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

इसके क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई उलग अंशदान या प्रीमियम की उम्मीद नियोजित किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक दोमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एहे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से विधिक अनुकूल है (विवर इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उम्मीद 2 (क) द्वारा उक्त नियमों का इगोर करते हुए तथा श्रम मंत्रालय, भारत राजकार/केन्द्रीय सरकार भविष्य निर्धि आयुक्त की अधिमूलना में, तथा नियोजित जां प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गयी है के उनसे राशि में तथा मंलग्न अनुसूची-2 के नियोजित शर्तों के रहने वाले क्षेत्रीय भविष्य निर्धि आयुक्त ने उक्त स्कीम के राशी अनुसूची-2 के मंत्रालय से प्राप्त उक्त स्थापना के आगे 3 वर्ष की अवधि के निए छट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-2, में नाम के नाम के भाइने दर्शाया गया है।

अनुसूची-1

क्रम सं ० स्थापना का नाम और कोड नं ० पता

सरकारी अधिसूचना की सं ० छट समाप्ति छट विस्तार के ० भ ० नि ० आ० व दिनांक जिसके द्वारा छट की तिथि की तिथि की फाइल सं ० प्रदान/विस्तार की गई

1	2	3	4	5	6	7
1.	मै० दक्षिण कश्मीर सहकारी के एन/12183 सहकारी कारखाने लि ०, ब्राह्म वारा-576213 उड़वी तालुक, डी० के जिला	2/1959/डी एल आई/एक्जेम/89/पी० टी० दि० 3-7-98	30-4-99	1-5-99 मे	6/19/97 डी एल आई	30-4-2002
2.	मै० हिन्दुस्तान लिवर लि ०, के एन/12195 सुल्तान बैट्टी, मार्ग, मंगलीर-575003		31-7-99 से	1-8-99	6/25/97	31-7-2002

1	2	3	4	5	6	7
3.	मै ० जे ० एम ० जे ० डाइग-	के एन/12979		28-2-99	1-3-99	6/21/97
	नोवा रिसर्च सेन्टर एण्ड				से	
	सुपर स्पेशलिटि हास्पिटल					
	चंच मार्ग, उड्हूपी-576101					28-2-2002
	मेगलूर					
4.	मै ० रामाकृष्ण हाई स्कूल,	के एन/12711		31-7-96	1-8-96	6/26/97
	एस ० आर ० एस होम,				से	
	बैंगलूर-575003				31-7-99	
5.	मै ० नेगावति प्रामीण बैंड	के एन/12162	14-8-97	30-6-99	1-7-99	6/4/97
	कुडमल रंगाराव मार्ग,				से	
	छारंगालपाडी मेंगलोर-					30-6-2002
	575003 तथा शाखायें					
6.	मै ० कर्नाटक सिक्योरिटी प्रेस के एन/12139		17-9-97	31-7-99	1-8-99	2/4576/92
	लि ०, पी ० बी ० नं ० १०,				से	
	मणिपाल 576119 डी ०					31-7-2002
	के० कर्नाटक, तथा शाखायें					

बन्दुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित अधीनीय भविष्य निधि आयक्ता का ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूचीधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के दृष्ट के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके बन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बह-संस्था की भाषा में उसकी मूल्य बाहरी का बन्दुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तरह इर्द छारेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय बीमा नियम को संवृत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हाएँ भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में लंबाएँ हों तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिग्राम/नाम निर्देशितों के प्रतिकार के रूप में दोनों राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संदोधित अधीनीय भविष्य आयक्त के पूर्व अनुमोदन के दिन नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के विहार पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की सम्भावना हो वहाँ अधीनीय भविष्य निर्देश आयक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का योक्तव्यक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय बीमा नियम की उम सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाए तो रुद्र की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियम तारीख के भीतर जो बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी के व्यवहार होने दिया जाता है तो छूट रह जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए बोर्डरकर्म की दशा में उत्तर सदस्यों के नाम निर्दीशतां या दिक्षिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संवंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्दीशन/निर्धारण की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्यक्ष दशा में, भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. एल. तर्जा
धन्त्रीपद भविष्य निधि आयद्वत्

नं ५८ दिल्ली-११००६६, दिनांक ११ फरवरी २०००

सं. २/१९५९/डी. एल. आई./एकजम/८९/भाग-४/
६००५—जहां अनुसूची-१ में उल्लिखित नियोजिताओं
ने (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है)
कर्मचारी, भविष्य निधि और शक्ती उपबन्ध अधिनियम,

१९५२ (१९५२ का १९) की धारा १७ की उपधारा २ (ब) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए बाबेदान किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयद्वत् इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी काई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए विना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सार्वाधिक बीमा स्कीम का लाभ उत्तर रहे हैं जो कि एसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधेप सहवदध दीमा न्कारि, १९७६ के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक उनका है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा की उपधारा २ (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा शम संचालन, भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि जायक्त वर्ती अधिगचना में, नया नियम जो प्रत्यक्ष स्थापना के नाम के साथ दर्शाई रखी है के अनुसरण में तक संलग्न अनुसूची-२ के नियारित इत्यों के रहने हुए केन्द्रीय भविष्य निधि जायक्त ने उक्त स्कीम के सभी उपर्योगों के संचालन में प्रत्यक्ष उक्त स्थापना के आगे ३ दर्ज की अवधि के लिए छूट प्रदान कर दी है जैसा कि संलग्न अनुसूची-१ में उनके नाम के साथ से दर्शाया है।

अनुसूची-१

क्रम सं.० स्थापना का नाम और कोड नं.
पता

सरकारी अधिसूचना की सं० छूट समाप्ति
व दिनांक जिसके द्वारा छूट की तिथि
प्रदान/विस्तार की गई

छूट विस्तार के०भ०नि०आ०
की तिथि की फाइल सं०

१	२	३	४	५	६	७
१.	मै० नेशनल मिनरल डब्लैप- मेंट कारपोरेशन लि०, खनिज भवन १०-३-३११/ए केशल हिल्स मासाब टैक, हैदराबाद-५०००२८ तथा शाखाये (२-वी)	ए.पी/३६७६	२/१९५९/डी एल आई/एकजम/ २७-८-९५ ८९/पी टी-१ दिनांक २४-८-९५	२८-८-९७ से २७-८-२०००	२/६२९/८०/ डी एल आई	
२.	मै० भारत हेवी प्लेट एण्ड वेसल्स लि०, बी० एच० बी० पी० पोस्ट विग्वायटनम-१२ (२-वी)	ए.पी/३४९५	३५०१४/२०२/एस एस-११ दिनांक ७-४-८६ तथा ९-८-९१	१७-१२-९१ १७-१२-९४ १८-१२-९४ मे १७-१२-९७ १८-१२-९७ ने १७-१२-२०००	२/६२५/८६/ डी एल आई	
					दिनांक ७-१-८६ तथा ९-८-९१ द्वारा पारी अधिसूचना में प्रकाशित तिथि १-४-८८ से १७-१२-९१ की २ (ख) के अन्तर्गत भासा जाये।	

अन्सूची-2

1. 'उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियंत्रक कहा जाया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एंसे नियोक्षण प्रभारी का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के स्वरूप के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामृहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लाभार्थी का रखा जाना, विवरणियाँ को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का मंदाग, लंबाझों का अन्वरण, नियोक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, तो वाले मध्ये व्यथों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मोदित सामृहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संघट्य की भाग में उम्मीद लाभीं का अन्वरण माना जाना भवति पर्याप्त और प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्ति किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही माहम् है, उसकी स्थापना में नियोजक किया जाना है तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के संदर्भ के रूप में अपना नाम तरन्त दर्ज करेगा और उसकी वादात आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ यदाये जाते हैं तो नियोजक सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामृहिक रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामृहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों में अधिक अन्वर्त्त हों जो उक्त स्कीम के अधीन अन्वर्त्त हैं।

7. सामृहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मत्त्य पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ सार्विक से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ हो तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नाम निर्दर्शितों को प्रतिकार के रूप में दोनों गटियों के दरावर रायि का संदाय करेगा।

8. सामृहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में छोड़े भी मंडलाद्यर्थ संदर्भित थैवीय भविष्य निधि आयक्त के पूर्व अन्मोदन के दिनों किया जाना था और उन्हें छोड़े भी मंडलाद्यर्थ के हित पर प्रतिकाल प्रभाग द्वारे की माना जाना जो छहों थैवीय भविष्य निधि आयक्त अथवा अन्मोदन द्वारे के पर्याप्त कर्मचारियों को जाना दीप्तिक्राण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम को उस नामूहिक बीमा स्कीम के जिस स्थापना एहत अपना द्वारा है आधीन नहीं रह जाना या इस स्कीम के आधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रायि में कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी की व्यपत छोड़े दिया जाता है तो उक्त रद्द रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गए व्यहिक्रम की दशा में उत्तर मदस्तों के नाम निर्दर्शितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई हो तो उक्त व्यहिक्रम के अन्तर्गत होते वीण लाभों के संदाय का उत्तरदायित नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इम स्कीम के अधीन अपने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्दर्शितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत रायि का संदाय नियमना से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रायि हत्यरता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत रायि होने के एक माह के भीतर मनियित करेगा।

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त
के एल. तन्जा

म. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/
6012—जहां अन्सूची-1 में उल्लिखित नियोजिताओं ने जारी किए कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अन्वर्त्त है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निधि आयक्त इस बात में संग्रह है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंगदान या प्रीमियम की अदायगी किए दिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामृहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एक कर्मचारी के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से उत्तरदायित है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की सूचना 2(क) द्वारा प्रदत्त अधिनियमों का प्रयोग करते हए वथा इसके साथ संलग्न अनुमती में उल्लिखित शर्तों के अन्वार नेत्रीय भविष्य निधि आयक्त ने प्रत्येक के सम्बन्ध में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभागी जिस निधि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयक्त प्रयोग दी गयी थी (जिसे धारा 23(17) के अन्तर्गत डीत प्रदान की है, 3 वर्ष की उड़ीक्रिया के लिए उक्त स्कीम के मंचलन की छूट प्रदान की गई है)।

अनुसूची-1

क्रम संख्या	स्थापना का नाम और पता	कोड नं०	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० ति० आ० फा० नं०
1.	मै० इम्पोरियल आटो इन्डस्ट्री लि० रेलवे गुड्स शेड के सामने फरीदाबाद	एच आर/1178	1-11-95 से 31-10-98	5/14/99/डीएलआई
2.	मै० अमफोर इन्डस्ट्रीज 12/2 मथुरा रोड, फरीदाबाद	एच आर/5004	1-5-92 से 30-4-95	5/12/98
3.	मै० नार्थ वेस्ट स्ट्रीचेयर लि० 14/3, मथुरा रोड, फरीदाबाद	एच आर/6355	1-4-92 से 31-3-95	5/8/89

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयका को एसी विवरणियाँ भेजेगा और एसा लेखा-जॉखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयकृत, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के आधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रता जाना विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार इवारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की अनुसन्धान की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्ति किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो। नियोजक सामूहिक बीमा के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ दाता जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपबन्ध लाभों से अधिक अनुकूल हैं जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश

राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश होता तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों के प्रतिकार के रूप में दाताओं राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत के पूर्व अनुमोदित के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत अपना अनुमोदित दाते के पूर्व कर्मचारियों का अपना दीप्तिकोण स्पष्ट करने का यौकरण्यकृत अवसर देना।

9. यदि किसी कारणबद्ध स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसका स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो इद दीप्तिकोण स्पष्ट करने का यौकरण्यकृत अवसर देना।

10. यदि किसी कारणबद्ध उस नियत तारीख के भीतर जीवन बीमा नियम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्यवस्था होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय के किए गए विविध क्रम की दशा में उन मूल सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि यह छूट दो गई हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रदर्शक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मात्र के भीतर सुनिश्चित करेगा।

कै. एल. देवेजी

क्षेत्रीय भविष्य निधि आयकृत

सं. 2/1959/डी. एल. बाई/भाग-1/एक्सम/89/
6019—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है, जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है।

वृक्षिक केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारों कोई अलग अंगदान गा प्रीमियम की जदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोज सहेज बीमा स्कीम,

1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ सदृग अनुसूची में उल्लिखित इतरों के अन्तर्गत केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक की सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, हिमाचल प्रदेश ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० नं०
1.	मै० दि कांगड़ा को० आप० प्राइमरी एग्रीकल्चरल एण्ड रूरल डिवलपमेंट बैंक लि०, धर्मशाला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश (वांचों सहित)	एच पी/11646	1-5-97 से 30-4-2000	17/11/99/ डी एल आई
2.	मै० गुजरात अम्बुजा सीमेंट लि०, विलेज सूली, पी० ओ० दासलाघाट सोलन (एच० पी०)	एच पी/11992	1-2-99 से 31-1-2002	17/13/99
3.	मै० आश्वार स्कूल कालका, शिमला रोड, सैकटर-6, प्रवानू सोलन, एच० पी०	एच पी/18173	1-1-97 से 31-12-99	17/14/99
4.	मै० हिम इन्फोमैटिक्स, प्रवानू सोलन, एच०पी०	एच पी/18284	1-1-98 से 31-12-2000	17/6/99

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात नियोजक कहा गया है) संबंधित केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को एसी विवरणियां भेजेगा और एसा लेखान्तर्ज्ञान रखेगा तथा नियोजक के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसी नियोजक प्रभारी का प्रत्येक मात्र की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के खण्ड के अधीन संबंध-समय पर नियोजक करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, विसके बंतर्गत लेखान्तर्ज्ञानों का रखा जाना, विवरणियां का प्रस्तुत किया जाना,

बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखान्तर्ज्ञानों का अन्तरण, नियोजक प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा बनायी दिए गए सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के बचीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम तुलस बर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ द्वारे जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से शृंदित किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों में अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञीय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश राशि से कम है तो कर्मचारी को उस दशा में मंदिर होती बब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तां नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकार के रूप में दानों राशियों के अन्तर के बगवर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो तब त्थीय भविष्य निर्धारण आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दौष्टकाण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली राशि किसी राशि से कम हो जाए तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो बीमा नियम नियत करे प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत होने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्यतिक्रम की दशा में उन मूल सदस्यों को नाम निर्देशितों वा विधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम

के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय लेपत्रता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम दे बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. एल. तनेजा
क्षेत्रीय भविष्य नियम आयुक्त

स. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/एक्जेम/89/6027
—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निर्धारण और प्रकारण उपबन्ध अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त वर्धीनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशादान या प्रीमियम की अदायी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जोकि इसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियोजित सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शहरों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निर्धारण आयुक्त ने प्रत्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य नियम आयुक्त, प्रियंका बंगल ने स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत ढीला प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन को छूट प्रदान कर दी है।

अनुसूची-1

क्रम संख्या	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	छूट की प्रभावी तिथि	के. भ० नि० आ० फा० नं०
1	2	3	4	5
1.	मै० बौरांल युनियन को० आ० वैकलि० पी० ओ० बीराल, जिला परगनाज (पश्चिम)-743505 (प० व०)	डब्ल्यू बी/16654	1-12-98 से 30-11-2001	16/87/99डीएलआई
2.	मै० पैक्वल प्लास्टिक्स प्रा० लि० 313, जोधपुर पार्क, जलकला-700068	डब्ल्यू बी/13009	1-3-99 से 28-2-2002	16/88/99

1	2	3	4	5
3.	मैं० कन्ट्रोल इन्वेंडवाटर ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन लि० 4 फेरली प्लेस, कलकत्ता-700001	डब्ल्यू बी/321	1-3-97 से 29-2-2000	1/89/99 डी०एल०आई०
4.	मैं० इलिक्ट्रील मैनुफैक्चरिंग कं० लि० (ई० एम० सी०) ई० एम० सी० गाँडंग, 136, जैसोर मार्ग, कलकत्ता-700055	डब्ल्यू बी/1635ए 3396-7873 9774	1-1-96 से 31-12-98 1-1-99 से 31-12-2001	16/90/99
5.	मैं० जे० जे० एक्सपोर्ट्स लि० सी०, शंकर राय मार्ग, कलकत्ता-700001	डब्ल्यू बी/14633	1-1-99 से 31-12-2001	16/91/99
6.	मैं० कलार सहेन प्रा० लि० 143-सी०, सरत बोस मार्ग, कलकत्ता-700026	डब्ल्यू बी/22576	1-3-99 से 28-2-2002	16/92/99
7.	मैं० एम० बी० कन्ट्रोल एन्ड सिस्टम प्रा० लि० 31/1, आहेरी पुकुर मार्ग, कलकत्ता-700019	डब्ल्यू बी/26175	1-4-99 से 31-3-20002	16/93/99

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा-जोखा इत्था तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सूचियाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समव-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के संष्ठु (क) के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियाँ को प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभारी का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उसमें संशोधन किया जाये, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य वातां का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहुंच ही सदस्य है, उसद्वये स्थापना में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में अपना नाम दूरस्त दर्ज करेगा और उसकी ज्ञाता भावधार शीमिया भास्ती जीवन बीमा नियम संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के तिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक जनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदर्भ होते हैं तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो नियोजक कर्मचारी के विविध बाहरसाँ/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में वे भी राशियों के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की सम्भावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना दीप्तिकौण स्पष्ट करने का गुरुकर्त्युकत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा नियम के उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसके स्थापना पहले अपना छूटी है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो जाए तो रहद की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर जो बीमा नियम नियत करें प्रीमियम का संदाय करने में व्रतफल रहता है और पालियसी को अपग्रेड होने दिया जाता है तो छूट रहद की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्याधिकम की दशा में उग्र मृत सदस्यों के नाम निवैधिता या व्याधिक वारिसों को यदि यह छूट दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा नाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना द्वारा सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निवैधिता/व्याधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है। (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

कैंपिंग केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कई दलय अंबदान द्वारा प्रीमियम की अदाएँ आवेदन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि ऐसे वर्मचारियों के लिए कर्मचारी निधि पश्चात् बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

के. एल. तर्जना
क्षेत्रीय भविष्य निधि बायूक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-5/
6038—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपवंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19)

अतः, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ मंदसन अनुसूची में उल्लिखित शक्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने प्रध्येक के सामने उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, गुजरात ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के मंचालन की छाट प्रदान कर दी गई है :—

अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	छूट की प्रभावी तिथि	के. भ० नि० आ० फा० नं०
1	2	3	4	5
1.	मै० चवाइस लैबोरेट्रीज स्टेन हाईवे उनक्षा-384170	जीजे/15832	1-3-98 से 28-2-2001	4/162/99/डीएलआई
2.	मै० स्टीलेज इण्डस्ट्रीज लि० 1302-1306, जी० आई० डी० मी० इन्डस्ट्रियल एस्टेट, मलाल, पंचमहल-389350	जीजे/15931	1-8-98 से 31-7-2001	4/165/99
3.	मै० वासु फार्मसीटिकल्स प्रा० लि० 967-4, जी आई डी सी मकरपुरा, वडोदा-390010	जीजे/20029	1-3-96 से 28-2-99	4/166/99
4.	मै० प्रगति सहकारी बैंक लि० एलम्बिक कालोनी, वडोदा-3	जीजे/20370	1-1-96 से 31-12-98	4/164/99

1	2	3	4	5
5.	मैं गुजरात वायलकैप्स प्रा० लि० सी-1, बी/86, रोड-9, जी० आई० डी० सी० एस्टेट, वडोदरा-391760	जी जे/20248	1-9-93 से 31-8-96 1-9-96 से 31-8-99	4/167/99
6.	मैं ट्रान्सटेक मार्केटिंग लि०, काकली रोड, अटलाद्रा वडोदरा-390012	जी जे/5231-ए	1-7-97 से 30-6-2000	4/169/99

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की एसी विवरणियाँ भेजेगा और लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक एसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा और केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2-क) के लिए के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तर्णाल निरीक्षण-प्रभारी का संदाय आदि भी है, हमें वाले सभी व्यदों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्तर्दित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति अंगै लद नभी उसमें रांशोधन किया जाए, तब उसे संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की वह-संस्था की भाषा में उसकी स्थूल वाहों का अनुवाद स्थापना के मुद्दा पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि एवं उक्त अधिनियम के उधीर छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाना है तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के जिस स्थापना वहने अपना चक्री है अधीन नहीं रह जाता या उस स्कीम के उधीर कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाता तो रद्द की जा सकती है।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से पृदिध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञय है।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी वात के होते हानि भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदर्भ राशि से घट है जो कर्मचारी को उस दाया में संदर्भ होती है तो जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता हो नियोजक कर्मचारी को विधि वारिस/नाम निर्दिष्टियों को प्रतिक्रान्ति के स्पष्ट में दोनों गणियों के विवाद गणि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कीम के उपलब्धों में ओडे भी संशोधन संवैधित धैत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुगोदन वे विनामितों किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों वे हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमतिवान देने के पूर्व कर्मचारियों की अपना छीट-कांडा घट्ट करने का युक्तियक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश उस स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम वो उस सामूहिक वीमा स्कीम के जिस स्थापना वहने अपना चक्री है अधीन नहीं रह जाता या उस स्कीम के उधीर कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि में कम हो जाता तो रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर वीमा नियम नियत करने प्रीमियम का संदाय वरने में असफल रहता है और पालिसी को व्यापक व्यवस्था दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा ग्रीमरम के मंदाय में किए गए अधिकार की दशा में उन सत्र सदस्यों के भाग निर्देशितों या विधिक वारिसों को यदि इह छूट दी गई हो तो वह उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा नाभी के मंदाय का उत्तराधिकार नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाली किसी सदस्य की मृत्यु हुने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की दीमान राशि संदाय तत्परता सं और प्रत्यक्ष दशा में भारतीय जीवन बीमा नियम से राशि प्राप्त होने के एक भाव के भीतर सीरीजित करेगा।

ने. एल. देवा
अंतर्राष्ट्रीय भविष्य नियंत्रण बोर्ड

मं. 2/1959/डी. एल. आई./भाग-1/एक्जेन्ट/89/6048
—जहां आनुसूची-1 में उल्लिखित नियंत्रकारी ने (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य नियंत्रण और

कीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 को उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवंदन किया है (जिस इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि केन्द्रीय भविष्य नियंत्रण वाल से संतुष्ट है कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदाता या ग्रीमरम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा नियम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं जो कि एंसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी नियंत्रण सहबध बीमा स्कीम, 1973 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों में अधिक अनुकूल है (जिस इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न आनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार केन्द्रीय भविष्य नियंत्रण द्वारा उल्लिखित विद्युतीय तारीण में प्रभावी जिस नियंत्रण से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य नियंत्रण आयोजन दिल्ली ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त वे नियमन की छूट प्रदान कर दी गई है।

अनुसूची-1

क्रम सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड नं.	छूट की प्रभावी तिथि	के० भ० नि० आ० फा० न०
1.	मै० एसेसिएटिड ट्रेडर्स इंजीनियर्स लि०, 20/1, आसकली रोड, नई दिल्ली-110002	डी एल/147	1-11-92 से 31-10-95 1-11-95 से 31-10-98 1-11-98 से 31-10-2001	3/130/99/डीएलआर
2.	मै० भारत डायलस डल्यू-42, ओखला इन्डस्ट्रीयल पारिया फैस-2 नई दिल्ली-20	डी एल/4725	1-10-94 से 30-9-97 1-10-97 से 30-9-2000	3/118/99
3.	मै० मान होम्पीटल प्रा० लि० १/३७, ल्हपनगर, जी० टी० रोड, दिल्ली-७	डी एल/8850	1-12-89 से 30-11-92 1-12-92 से 30-11-95 1-12-95 से 30-11-98	3/131/99

अनुसूची-2

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसके पदवात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त वा ऐसी दिवरणियां भेजेगा और लखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास को समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम को धारा 17 की उपभारा (2-क) के बृहद के आधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक वीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना विवरणियों को प्रस्तृत किया जाना, वीमा प्रीमियम का संदाय लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभारी का संदाय अद्वितीय भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्मार्दित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और उक्त कभी उसमें संशोधन किया जाये तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को वह-संख्या की भाषा में उसकी मूल्य वालों का अन्वाद स्थापना के सज्जन पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी जो भविष्य निधि या उक्त अधिनियम के अधीन छट प्राप्ति किसी आपना की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसको आपना में नियोजित किया जाना है तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के सदस्य के रूप में आपना नाम त्रुत दर्ज करेगा और उसकी धारत आदर्शक प्रीमियम भारतीय जीवन वीमा दिग्भ को संदर्भ करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम दो जीवन वर्गाचारियों के उपलब्ध लाभ वाले जाते हैं तो नियोजक सामूहिक दोनों स्कीम दो अधीन कर्मचारियों के उपलब्ध लाभों में सामूहिक रूप से विविध किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के अधीन लाभ उपलब्ध लाभों से अधिक इतकाहों जो उक्त स्कीम के अधीन अस्तित्व हैं।

7. सामूहिक वीमा स्कीम में किसी वात के होते हए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन गंदरेख राशि भी कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेश हो तो तब वह उक्त स्कीम के आधीन होता है जियजक कर्मचारी को विविध वारिस/नाम नियोजिती की प्रतिकार के लिए में दोनों गशियों के बराबर गणि का संकाय करेगा।

8. सामूहिक वीमा स्कीम के उपर्यांत में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अन्मोदन के दिन नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो यहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अन्मोदन देने के पूर्व कर्मचारियों को अपना हाईट्कोण स्पष्ट करने का युक्तियक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन वीमा नियम की उम सामूहिक वीमा स्कीम के जिस स्थापना पहले अपना चक्री है अधीन नहीं रह जाता या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाली किसी राशि से कम हो तो तो तो स्कीम रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश उस नियत तारीख के भीतर नियोजक वीमा नियम नियत करने प्रीमियम का संदाय करने में असफल रह जाता है और पालिसी को व्याप्ति होने दिया जाता है तो छट पट्र दाने जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए व्याप्तिक्रम की दशा में उन मत सदस्यों के नाम नियोजितों गोदियेक वारिसों को यदि यह छट दी गई है तो उस स्कीम के अंतर्गत होते वीमा लाभों के संदाय तो उत्तराधिकार नियम जक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन जाते वाली किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हालात नाम नियोजितों/विधिक वारिसों को वीमाकृत राशि का संदाय तरारता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन वीमा नियम से वीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक मात्र के भीतर सुनिश्चित करेगा।

के. एल. तनेश
क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

**RESERVE BANK OF INDIA
(CENTRAL OFFICE)
(DEPARTMENT OF BANKING OPERATIONS
AND DEVELOPMENT)**

Centre-1, World Trade Centre
Cuffe Parade, Colaba

Mumbai-400005, the 26th February 2000

No. PSBS/H 886/16.01.131/99-2000—In pursuance of clause (b) of sub-section (6) of Section 42 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Reserve Bank of India hereby directs the exclusion from the Second Schedule to the said Act of the following.

“The Times Bank Ltd.

**G.P. MUNIAPPAN
Executive Director**

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Chennai-600034, the 7th December 1999

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3SCA(4)/3/1999-2000—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Member of this Institute at his Request with effect from date mentioned against the name of the following member :—

S. M.R.N.	Member Name & Address	Removal Date
1. 023893	Mr. Subramanian R.S. V1/1732 Thekkemadom Street Palace Road Kochi-682002.	31/03/99

**ASHOK HALDIA
Secretary**

Calcutta-700071, the 8th February 2000

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3ECA/4/I/1999-2000—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in

exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of Death with effect from date(s) mentioned against the names of the following members :—

S. No.	M.No.	Name & Address	Date of Removal
1	2	3	4
1.	007201	Mr. Datta Amar Gopal Nag & Associates 2 Chowringhee Approach Calcutta-700072.	04/07/99
2.	002059	Mr. Biswas Aril Kumar Mookherjee Biswas & Pathak 5 & 6 Fancy Lane Calcutta-700001.	05/09/99
3.	052240	Mr. Pradhan Govind Chandra H. Naik & Co. Telenga Bazar Cuttack-753009.	13/03/99
4.	003453	Mr. Jha Devi Ram 9SW Balika 64 Lake Road Calcutta-700029.	19/05/98
5.	016386	Mr. Datta Sitya Paliya 7, Sudder Street Calcutta-700016	19/05/99
6.	011603	Mr. Baral Srimanta C, Price Waterhouse B3/1 Gillander House N. S. Road Calcutta-700001.	21/06/99
7.	005766	Mr. Sengupta Parnendu Kumar, M/s G. Sanyal & Co. Temple Chambers 6, Old Post Office Street Calcutta-700001.	23/03/99
8.	050997	Mr. Samanta Tapas 3B Waverly Lane Calcutta-700013.	24/06/99
9.	006061	Mr. Bothra Kamal Singh K. S. Bothra & Co. Mercantile Bldg, 9/12 Lall Bazar Street, E-Block 1st Floor Calcutta-700001.	25/09/98

1	2	3	4
10.	005708	Mr. Ghosh Bankim Behari "Matri Smriti CF-375, Salt Lake Calcutta-700064.	26/03/99
11.	001759	Mr. Ray Chaudhuri Bimalesh, 3 Nandan Road Calcutta-700025.	29/07/99
12.	007919	Mr. Roy Siba Prosad Flat 3B, 3rd Floor 509 Jodhpur Park Calcutta-700068.	30/03/99
13.	004302	Mr. Kundu Nemai Chand 6B Sevak Baidya Street Ground Floor Calcutta-700029.	30/12/98

ASHOK HALDIA
Secretary

MINISTRY OF LABOUR
EMPLOYEES PROVIDENT FUND ORGANISATION
(CENTRAL OFFICE)
14, BHAKAJI CAMA PLACE
New Delhi-110066, the 9th February 2000
No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5922.—WHEREAS
the Employers of the establishments mentioned in Schedule-I

(hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II Annexed hereto. The Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the Establisment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Rajapalayam Mills Ltd., P.A.C. Ramaswamy , Raja Salai, Rajapalayam-626117.	TN/179	2/1959/Exem/89/ Pt. I dated 10-1-99	28-2-99	1-3-99 to 28-2-2002	2/2052/DLI/89
2.	M/s. The K.C.P. Ltd., 2, Dr. P. V. Cherian Crescent Egmore, Chennai-600008, alongwith its Regional Office Delhi & Mumbai.	TN/1156	dated 10-1-99	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/1758/DLI/88
3.	M/s. L. G. Balakrishnan & Brothers Ltd., P. B. No. 3706, India House, Trichy Road, Coimbatore-18.	TN/1165	dated 31-7-99	31-7-99	1-8-99 to 31-7-2002	2/1196/DLI/85
4.	M/s. Fal Industries Ltd., P. E. No. 5063, Perungudi, Chennai-600096.	TN/4805	dated 19-5-99	31-12-97	1-1-98 to 31-12-2000	14/163/DLI/96
5.	M/s. Sholingur Textiles Ltd., P. B. No. I, Arokonam Road, Sholingur-631102.	TN/6294	dated 28-2-96	31-12-96	1-1-97 to 31-12-99	14/90/DLI/95

1	2	3	4	5	6	7
6.	M/s. Sharade Silicated & Chemicals Industries, 6/412, Kuniamuthur, Coimbatore-641008.	TN/6964	dated 19-5-99	30-6-99	1-7-99 to 30-6-2002	2/4739/DLI/92
7.	M/s. Krishna Engg. Co. (P) Ltd. TN/8268	Dated 30-9-97		16-3-96	17-3-96 to 16-3-99	2/2004/DLI/84
8.	M/s. Mahalingam Roadways, Arupukkottai-626101.	TN/9578	Do.	28-2-99	1-3-99 to 28-2-2002	2/2992/DLI/91
9.	M/s. LTM Ltd.. Mount Poonamallee Road. P. B. No. 977, Manapakkam, Chennai.	TN/9710	dated 21-6-99	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	148/DLI/94
10.	M/s. Mayilvahanan Transport, Arupukkottai-626101.	TN/9892	dated 24-12-97	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/2661/DLI/90
11.	M/s. W.C.I. (Madras) Pvt. Ltd., Y.M.C.A. Building, N.S.C. Bose Road, Chennai-600001.	TN/17509	dated 13-1-99	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/5475/DLI/94
12.	M/s. Industrial Technical Consultancy Organisation of T. N. Ltd., 50-A. Greams Rd., Chennai-600006.	TN/17795	dated 10-1-99	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/2633/DLI/90
13.	M/s. Pattern & Carpentry Works, 1/11, Mugalivakkam Road, Porur, Chennai-600016.	TN/10343	Do.	31-3-99	1-4-99 to 31-3-2002	2/2315/DLI/90
14.	M/s. INDO FAB, D-31, 32, D. P. Estate, Thuvakudi, Trichy-15.	TN/10471	dated 28-7-97	31-8-96	1-9-96 to 3-1-8-99	14/266/DLI/97
15.	M/s. Postalia Interfrank Pvt. Ltd., 61, Montieth Road, Egmore, Chennai-600008, alongwith its branches.	TN/11252	dated 30-9-97	31-10-98	1-11-98 to 31-10-2002	2/4014/DLI/92
16.	M/s. Pillar Induction (India) Pvt. Ltd., Block-A-13, 2nd Avenue, Anna Nagar, Chennai-600102. alongwith its Factory and Office.	TN/19365	dated 3-5-93	31-1-95	1-2-95 to 31-1-98	2/3869/DLI/91
17.	M/s. Cognizant Technology. Solutions India Ltd., No. 27, Whites Road, Chennai-600014, alongwith its branches.	TN/31309	dated 11-3-96	31-10-97	1-11-97 to 31-10-2000	14/126/DLI/96
18.	M/s. Southern Engineering Co. 12, B.C. Bungalow Street, Pettai, Tirunelveli 627004 Tamil Nadu.	TN/11271	dated 6-4-93	30-11-94	1-12-94 to 30-11-97 1-12-97 to 30-11-2000	2/2389/DLI/90
19.	M/s. The Tamil Nadu Textile Corporation Ltd., Mohana Bhawan, 15, Hazur Road, Coimbatore-641018.	TN/7510-	Dated	2-9-94	3-9-94 to 2-9-97 3-9-97 to 2-9-2000	2/1204/DLI/85
20.	M/s. Kungurar Spinners Pvt. Ltd., Pethappampatti-642205, Udumelpet T. K.	TN/8400	dated 26-1-99	31-5-99	1-6-99 to 31-5-2002	2/1835/DLI/88

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employee shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause(a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the

interest of the employees' his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5946.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2 (A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the Said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in schedule II Annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme a further period of 3 years as indicated is attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/Extended.	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's' File No.
1	2	3	4	5	6	7

1.	M/s. Raghuvir Synthetics Ltd. Rakhial Road, Ahmedabad-380023.	GJ)2698	2/1959/DLI/Exem/89/ Pt.-I dt. 22-1-99	31-1-99	1-2-99 to 31-1-2002	2/5140/93/DLI
----	---	---------	---	---------	------------------------	---------------

1	2	3	4	5	6	7
2.	M/s. The Surat Distt. Co. Op. Bank Ltd., Regdi Office, J. I. Road, Athwagate Surat (GJ). (alongwith its branches).	GJ/4672	dated 21-1-99	26-8-98	27-8-98 to 26-8-2001	2/211/78/DLI
3.	M/s. Shree Ganesh Khand Udyog Sahakari Mandi Ltd., Off. Vataria Ta-Valia, Distt. Bharav Gujarat.	GJ/9877	dated 7-10-98	30-11-98	1-12-98 to 30-11-2001	4/27/97/DLI
4.	M/s. Parames Diamonds Export Pvt. Ltd., Parames Road At. P. O. Chhapre Navsari-396445.	GJ/24644	dated 19-11-98	30-11-98	1-12-98 to 30-11-2001	4(39)97/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(B) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees his additional give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of the exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5954.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme)

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2 (a) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Himachal Pradesh from the operation of said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE I

Sr. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Nu-Chem Industries (P) Ltd., Paonta Sahib Sirmour, Himachal Pradesh	HP/11525	1-1-95 to 31-12-97 1-1-98 to 31-12-2000	17/9/99/DLI
2.	M/s. Faradays Engineering Industrial Area Kulhariwala Brotiwala, Solan, Himachal Pradesh	HP/18174	1-2-98 to 31-1-2000	17/12/99/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges, etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5960.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt etc. of the said mentioned establishments in whole or in part from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner Punjab from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Alpa antibiotics Ltd., SCO-12, Ist Floor Madhya Marg Sector-26 Chandigarh	PN/14934	1-3-97 to 29-2-2000	12/126/99/EDLI
2.	M/s. Punjab Fibres Ltd., V.P.O. RailMajra, Teh. Balachaur Distt. Nawanshahar, Punjab	PN/10178	1-10-97 to 30-9-2000	12/108/99/EDLI
3.	M/s. Stanley Engineering Pvt. Ltd., 189-A, Industrial Area, Chandigarh.	PN/9895	1-11-97 to 31-10-2000	12/45/98/EDLI
4.	M/s. Godrejge Appliance Ltd.. Plot A-40, Phase-VIII-A, S.A.S. Nagar, Mohali, Chandigarh	PN/14830	1-11-97 31-10-2000	12/20/98/EDLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Govt. may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board if the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as at

ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

The 10th February 2000

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5968.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme)

Now therefore, in exercise of the power conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Act for a further period of 3 years as indicated in schedule-I of the said notification.

SCHEDULE-II

S. No. Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P. F.C's File No.
1. M/s. Gujarat State Road Transport Corporation Vahañavavahar Bhawan, Ahmedabad-380022 alongwith its branches.	GJ/1122	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt. I dated 2-5-93	15-8-95 16-8-98 16-8-98 to 15-8-2001	16-8-95 to 15-8-98 16-8-98 to 15-8-2001	2/156/78/DLI
2. M/s. Shreyes Co-op. Society Lt'l., Opp. Old Pilot Dairy Kankaria, Ahmedabad-380022.	GJ/7259-A	dated 18-1-94	13-9-96	14-9-96 to 13-9-99 14-9-99 to 13-9-2002	2/1303/85/DLI
4. M/s. Colour Synth. Ind. Ltd., C-1, B-10, Plot No. 31-32-34 G. I. D. C., Panesara Surat	GJ/9826	Nil	31-10-93	1-11-93 to 31-10-96 1-11-96 to 31-10-99	2/4314/92/DLI
3. M/s. The Visanagar Nagrik Sahakari Bank Ltd. Gunj Bazar Market Yard, Visanagar-384315 (NG)	GJ/11959	dated 27-2-97	5-2-98	6-2-98 to 5-2-2001	2/1241/85/DLI
5. M/s. Man Made Textile Research Association, Near Market Telephone Exchange, Ring Road, Surat-395002.	GJ/13545	dated 7-10-98	30-4-98	1-5-98 to 30-4-2001	4/14/97/DLI
6. M/s. Tapti Industries Engineers Mankhush Compound, A. K. Road, Surat-395008.	GJ/16714	18-1-94	29-2-96	1-3-96 to 28-2-99 1-3-99 to 28-2-2002	2/2761/90/DLI
7. M/s. Inducto Cast 904, GIDC, Estate Phase-IV Vithal Udyog Nagar, Gujarat-388121.	GJ/17839	Nil	31-1-94	1-2-94 to 31-1-97 1-2-97 to 31-1-98	2/4442/92/DLI
8. M/s. Shree Sawamihari Giri Paper Mills Ltd., Plot No. 621/1 GIDC Industrial Estate, Panoli-394116.	GJ/23801	dated 7-10-98	31-1-97	1-2-97 to 31-1-2000	4/47/97/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s), legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the Employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/5980.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(B) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section 2(B) of Section 17 of the said Act in continuation of Government of India the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated is attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C.P.F.C's File No.
1.	M/s. Siel Foods & Fertilizers Industries-15, P. O. No. 6219 Shivaji Marg, New Delhi (2-B)	DL/103	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt. I dated 17-6-99	29-4-98	30-4-98 to 29-4-2001	2/911/80/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along-with translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason the employer fails to pay the premium etc., within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased

member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pl. I/5985.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act in continuation of the Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exemption was granted/extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C. P. F. C's File No.
1.	M/s. Sona Fashion Pvt. Ltd., F-63, Okhla Industries Area Phase-I, New Delhi-110020.	DL/9555	dated 29-1-93	31-12-94	1-1-95 to 31-12-97 & 1-1-98 to 31-12-2000	2/4397/DLI
2.	M/s. Hindustan Freb Ltd. Jangpura, New Delhi-110014.	DL/75	dated 2-7-99	23-9-99	24-9-99 to 23-9-2002	2/1072/80/DLI
3.	M/s. Sonar International 17, South Patel Nagar, New Delhi-110008	DL/11124	dated 21-6-99	31-5-98	1-6-98 to 31-5-2001	3/55/98/DLI
4.	M/s. Continental Air Travels, 1139, Chandni Chowk, Delhi-110006.	DL/9772	date 3-3-99	28-2-98	1-3-98 to 28-2-2001	3/62/98/DLI
5.	M/s. Salora International Ltd. D-1314, Okhla Industries Area Phase-II, New Delhi-110020.	DL/7920	dated 28-4-97	31-7-95	1-8-95 to 31-7-98 1-8-98 to 231-7-2001	2/1562/88/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of Insurance premis, transfer accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employee, his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance

Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exem./89/Pt. I/5994.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India, in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act in continuation of Government of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the Provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. and Date of Govt. Notification vide which Exempt- tion was granted/ extended	Date of Expiry	Period for Exemption	C. P. F. C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. Dakshin Kannada Sahakari Sakkare Kar- khan Ltd., Brahmapur-576213, Udupi Taluk D. K. Dist.	KN/12183	2/1959/DLI/Exem/ 3-7-98 89/Pt.I dated	30-4-99 30-4-2002	1-5-99 to 6/19/DLI/97/EDLI	

1	2	3	4	5	6	7
2.	M/s. Hindustan Lever Ltd., Sultan Bittery Road, Baloor Mangalore-575003	KN/12195		31-7-99 1-8-99 to 31-7-2002		6/25/DLI/97
3.	M/s. J.M.J. Diagnova Research Centre & Super Speciality Hospital Church Road, Udupi-576101 Mangalore.	KN/12979		28-2-99 1-3-99 to 28-2-2002		6/21/DLI/97
4.	M/s. Sri Rama Krishna High School, S. R. S. Home, Mangalore-575003.	KN/12711		31-7-96 1-8-96 to 31-7-99		6/26/DLI/97
5.	M/s. Nitinilal Gramani Bank Kudal Ranga Rao Road, Karangalbaday, Mangalore-575003 alongwith its branches.	KN/12162 dated 14-8-97		30-6-99 1-7-99 to 30-6-2002		6/4/DLI/97
6.	M/s. Cantra Security Press Ltd., P. B. No. 10, Manipal-576119, D. K. Karnataka. alongwith its Branches.	KN/12139 dated 17-9-97		31-7-99 1-8-99 to 31-7-2002		2/4576/DLI/92

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that could be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

The 11th February 2000

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/6005.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under Sub-Section 2(B) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the

nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(B) of Section 17 of the said Act in continuation of Govt. of India, the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishments from the conditions specified in Schedule-II annexed hereto the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

S. No.	Name & Address of the Establishments	Code No.	No. and date of Govt. Notification vide which Exem- ption was granted/ extended	Date of Expiry	Period of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. National Mineral Development Corporation Ltd., Khanij Bhawan, 10-3-311/A Castle Hills, Masab Tank, Hyderabad- 500028 and Branches (2-B)	AP/3676	2/1959/DLI/Exem/ 89/Pt. I dated 24-8-95	27-8-97	28-8-97 to 27-8-2000	2/629/80/DLI
2.	M/s. Bharat Heavy Plate & Vessels Ltd., B.H. V. P. , P. O. Vishakhapatnam-12.(2-B)	AP/3495	2/1959/DLI/Exem/ S-35004/262/S.S.II dated 7-4-86 and 9-8-91	17-12-91 17-12-94 18-12-94 17-11-97 18-12-97 17-12-2000	18-12-91 17-12-94 18-12-94 17-11-97 18-12-97 17-12-2000	2/625/86/DLI

Period of exemption in the Notification dated 7-4-86 and 9-8-91 for the period 18-12-85 to 17-12-88 and 18-12-88 to 17-12-91 respectively may be read as under Sec. 17(2-B) w.e.f. 1-4-88 to 17-12-91

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefit's admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured

to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/6012.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provision Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the employees Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of the Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Faridabad from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Imperial Auto Industries Ltd., Opp. Railway Goodshed, Faridabad	HR/1178	1-11-95 to 31-10-98	5/14/99/DLI
2.	M/s. Amforge Industries, 12/2 Mathura Road, Faridabad.	HR/5004	1-5-92 to 30-4-95	5/12/99/DLI
3.	M/s. North West Switchgear Ltd., 14/3, Mathura Road, Faridabad	HR/6355	1-4-92 to 31-3-93	5/8/99/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishments (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government, may from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employees been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employees as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore, any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA,
Regional Provident Fund Commissioner

New Delhi-110066, the 15th January 2000

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/6019.—WHEREAS the employer of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas the Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishments are without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in schedule I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Himachal Pradesh from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. The Kangra Co-op. Primary Agricultural & Rural Development Bank Ltd., Dharamshala, Kangra, Himachal Pradesh (alongwith its Branches)	HP/11646	1-5-97 to 30-4-2000	17(11)99/DLI
2.	M/s. Gujarat Ambuja Cement Ltd., Vill Suli, P. O. Daslaghat, Solan (H.P.)	HP/11992	1-2-99 to 31-1-2002	17(13)99/DPI
3.	M/s. Eicher School Kalka Shimla Road, Sector-6, Parawanoo Solan, (H.P.)	HP/18173	1-1-97 to 31-12-99	17(14)99/DLI
4.	M/s. Him Informatic Parwannoo, Solan (H.P.)	HP/18284	1-1-98 to 31-12-2000	17(6)99/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of Accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient feature thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/Legal heir(s) of the Employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain point of view.

9. Therefore, any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall liable to be cancelled.

11. In case of defaults, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased

member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/6027.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub-Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

And whereas, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employee Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishment in schedule-I from the date mentioned against each, from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, West Bengal from the operation of the said Scheme for a period of 3 (three) years.

SCHEDULE-I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Boral Union Cooperative Bank Ltd., P.O. Boral Dist, 24-Parganas (West)-743505 West Bengal	WB/16654	1-12-98 to 30-11-2001	16/87/DLI/WB/99
2.	M/s. Pacwel Plastic Pvt. Ltd., 33, Jodhpur Park, Calcutta-700068	WB/13009	1-3-99 to 28-2-2002	16/99/DLI/WB/99
3.	M/s. Central Inland Water Transport Corporation Ltd. Fairlie Slace, Calcutta-700001	WB/321	1-3-97 to 29-2-2000	16(89)99/DLI
4.	M/s. Electrical Manufacturing Co. Ltd. (EMC), EMC, Garden 136, Jessor Road, Calcutta-700055	WB/1635, 1635A, 3396 7873, 9774	1-1-96 to 31-12-98 1-1-99 to 31-12-2000	16(90)99/DLI

Sl. No.	Name and Address of the Establishment	Code No.	Period for Exemption	C.P.F.C.'s File No.
5.	M/s. J.J. Exports Ltd. 7C, Shankar Roy Marg, Calcutta-700001	WB/14633	1-1-99 to 31-12-2001	16(91)99/DLI
6.	M/s. Klar Schen Pvt. Ltd., 143 C, Sarat Bose Marg, Calcutta-700026	WB/22576	1-3-99 to 28-2-2002	16(92)94/DLI
7.	M/s. M.B. Control and System Pvt. Ltd., 31/1, Ahiripukur Road, Calcutta-700019.	WB/26175	1-4-99 to 31-3-2002	16(93)99/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section 2(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended along with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s), legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where an amendment is likely to effect adversely the interest of the employees his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as a

ready adopted by the said establishment, for the benefits to the employee under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, ready adopted by the said establishment, for the benefits to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp./89/Pt. I/6038.—WHEREAS the employer of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under Sub Section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act.

AND WHEREAS, the Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Sub-Section 2(A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, the Central Provident Fund Commissioner hereby exempt each of the said mentioned establishments in Schedule-I from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Gujarat from the operation of said Scheme for a period of 3 (three) years.

SECTION I

Sl. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	Effective Date of. Exemption	C.P.F.C.'s File No.
1.	M/s. Choice Laboratories, State Highway, Unjha-384170	GJ/15832	1-3-98 to 28-2-2000	4(162)99/DLI
2.	M/s. Steelage Industries Ltd., 1302-1306 GIDC, Industrial Estate , Malal, Panchmahal-389350	GJ/15931	1-8-98 to 31-7-2001	4(165)99/DLI
3.	M/s. Vasu Pharmacauicals Pvt. Ltd., 967-4 GIDC Makarpura, Baroda-390010	GJ/20029	1-3-96 to 28-2-99	4(166)99/DLI
4.	M/s. Pragati Sahakari Bank Ltd., Alembic Colony, Baroda-3	GJ/20370	1-1-96 to 31-12-98	4(164)99/DLI
5.	M/s. Gujarat Vialcaps Pvt. Ltd., C-1-B/86, Road-9, GIDC Estate, Vadodara-391760	GJ/20428	1-9-93 to 31-8-96 1-9-96 to 31-8-99	4(167)99/DLI
6.	M/s. Transtek Marketing Ltd., Kakli Road, Atladra, Vadodara-390012	GJ/5231-A	1-7-97 to 30-6-2000	4(169)99/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such account and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.
2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) sub-section (2A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.
3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.
4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the Language of the majority of the employees.
5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an estt. exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.
6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding, anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Therefore any reason, the employer of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, for the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for the grant of this exemption shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respects.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme, this Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

K. L. TANEJA
Regional Provident Fund Commissioner

PUNJAB WAKF BOARD, AMBALA CANTT

Ambala Cantt., the 5th February 2000

Wakf/45/(1)/99 Gen./Publication :—In exercise of the power conferred under Section 27 of the Wakf Act, 1995 which are exercisable by me under the delegated powers by the Administrator, Punjab Wakf Board under section 40 of the Wakf Act, 1995, the following Properties are hereby declared as Sunni Wakf.

Sr. No.	Name of Wakf	Distt. Tehsil	Village	Kh. No.	Area	Value in Rs.	Nature & object of Wakf	How the Wakf is Admi- nistered	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	Mosque	Jalandhar	Apra Phillaur	In Abadi No. 84	418 Sqrds	50,000	Religious	Direct Mgt of PWB., A/Cantt	
2.	Graveyard	Jalandhar	Kotli Than Singh	Kh. No. 63	12K— 14M	1,27,000/-	Do.	Do.	
3.	Do.	Amritsar	Choga- wan Rupowali	74	K—M 6—4	50,000/-	Do.	Do.	
4.	Mosque	Amritsar	Amritsar	MC 884/4	180 Sqrds	2,00,000-	Do.	Do.	
5.	Graveyard	Amritsar	Sultan Wind Sub Urban	Kh. No. 1186	K—M 5—18	Do.			
6.	Mosque Fateh Din Wali	Amritsar	Punjward Taran Taran	Kh. No. 19/17 24/2/2 19/18 23 24	K—M 0—6 7—4 3—7 8—0 7—18	6,50,000/-	Do.	Do.	
									26—15

1. Sr. No. 1 Mosque according to three Affidavits and report of E.O. Phagwara.
2. Sr. No. 2 Graveyard according to Jamabandi, 1968-69.
3. Sr. No. 3 Graveyard according to Khasra Gridawari for 15-10-98 to 30-9-99 Jamabandi 1997-98.
4. Sr. No. 4 Mosque according to the plan, report of E.O. Amritsar.
5. Sr. No. 5 Graveyard according to the report of E.O. Amritsar.
6. Sr. No. 6 Mosque Fateh Din Wali, according to the Jamabandi 1995-96 and report of E.O.

SYED SHAHID ALI
Chief Executive Officer

प्रदन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा प्रकृति
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2000

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD,
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2000